Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector – 21, Noida
Phone : 0120-2534064, 2538533 / e-mail : bbpsnd@yahoo.co.in
Website : http : www/bbpsnoida.com

Workshop/Seminar Feedback Form

Workshop/Seminar title: अध्यापन कौशल

Workshop/Seminar Date: 13.5.19- 16.5.19

Venue: बाल भारती प्रशिक्षण केंद्र ,पीतमपुरा

Attended by: मनीषा सेठी, इलाश्री जायसवाल

Resource Person: प्रथम दिवस - डॉ. साहा (संयुक्त सत्र), श्रीमती अंजलि गुप्ता ,

श्रीमती उमेश कुमारी , श्री ईशान महेश

द्वितीय दिवस – श्री भास्कर झा, श्री ईशान महेश

तृतीय दिवस - श्रीमती भारती आनंद , श्रीमती उमेश कुमारी ,

श्रीमती अंजलि गुप्ता

चतुर्थ दिवस – श्रीमती गीता बुद्धिराजा , श्रीमती अंजलि गुप्ता

Organizer: बाल भारती प्रशिक्षण केंद्र, दिल्ली

Profile of the Resource Person: डॉ. साहा (सी.बी.एस.ई.सचिव)

श्रीमती अंजलि गुप्ता (हिंदी अध्यापिका) , श्रीमती उमेश कुमारी (हिंदी अध्यापिका)

श्री ईशान महेश (हिंदी लेखक) , श्री भास्कर झा (रंगमंच अभिनेता)

श्रीमती भारती आनंद (हिंदी अध्यापिका) , श्रीमती गीता बुद्धिराजा (हिंदी अध्यापिका)

1. Content of the Workshop/Seminar

प्रथम दिवस – 13.5.19

सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन द्वारा कार्यशाला का शुभारंभ किया गया | तत्पश्चात सी.ई.एस. के निदेशक श्री भट्टाचार्य ने पुष्पगुच्छ द्वारा डॉ.साहा का स्वागत किया |

<u>प्रथम सत्र - विशेषज्ञ - डॉ. साहा</u>

विषय - कक्षा वातावरण के सिद्धांत

- अपने शरीर को चलायमान तथा मस्तिष्क को स्थिर रखें|
- अपने आसपास स्वस्थ वातावरण का निर्माण करें|
- अपने समय को योजनाबद्ध करें|
- अपनी बुद्धि लब्धि के साथ-साथ ,भावनात्मक लब्धि तथा अध्यात्मिक लब्धि को भी बढ़ाने का प्रयास करें|
- अपने जीवन में अपनी वास्तविकताओं को पहचानें |
- स्वयं को तनावमुक्त रखें|
- अपनी समस्त समस्याओं का समाधान सिर्फ हमारे पास ही होता है इसलिए आत्म-चिंतन करें|

<u>द्वितीय सत्र -विशेषज्ञ -</u> श्रीमती अंजलि गुप्ता (हिंदी अध्यापिका)

विषय - मानक हिंदी का स्वरूप और व्याकरण

- मानक हिंदी का प्रयोग शिक्षा , कार्यालयीन कार्यों आदि में प्रयोग किया जाता है |
- भाषा का लिखित ज्ञान बालक को औपचारिक शिक्षा के द्वारा मिलता है|
- भाषा के सर्वाङ्गीन विकास के लिए भाषा के समस्त कौशलों का विकास होना आवश्यक है |
- भाषा में दक्षता प्राप्त करने हेतु भाषा का विस्तृत व्याकरणीय ज्ञान आवश्यक है |

<u>तृतीय सत्र -विशेषज्ञ -</u> श्रीमती उमेश कुमारी (हिंदी अध्यापिका)

विषय - व्याकरण और रचनात्मक लेखन

- अक्षरों की बनावट पर ध्यान प्राथमिक कक्षाओं से ही देना चाहिए |
- अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग एवं अंतर स्पष्ट उचित प्रयोग द्वारा ही संभव है |
- सही वर्तनी के अभ्यास पर सदैव बल दें |

<u>चतुर्थ सत्र - विशेषज्ञ</u> - श्री ईशान महेश

विषय- आदर्श वाचन

- अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी का भी समान महत्त्व है |
- विद्यार्थियों को शुद्ध एवं सही हिंदी के प्रयोग पर बल देना चाहिए |
- भाषायी सजगता की भावना का विकास करें |
- आदर्श वाचन द्वारा कक्षा को रुचिकर एवं प्रभावशाली बनाएँ |
- भाषा एवं साहित्य से हम बच्चों को जीवन मूल्य की शिक्षा देते हैं|

द्वितीय दिवस -14.5.19

<u>प्रथम एवं द्वितीय सत्र - श्री भास्कर झा (रंगमंच कर्मी)</u>

विषय - रंगमंच का हिंदी भाषा में प्रयोग

- शब्दों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण दृश्य है |

- शब्द खेल, ध्वनि खेल आदि खेल विषय को रोचक बनाते हैं |
- हर विषय में भिन्न-भिन्न रसों का समावेश होता है |
- रंगमंच या नाट्यमंचन विषय का अभिन्न अंग होते हैं |
- विभिन्न प्रकार की गतिविधियों द्वारा अधिगम सहज एवं सरल होता है |
- किसी भी प्रकार की गतिविधि के लिए विषय का उचित आरंभ ,विस्तार एवं अंत होना चाहिए |

<u>तृतीय सत्र -विशेषज्ञ - श्री ईशान महेश</u>

विषय - अभिव्यक्ति के आयाम

- हिंदी में उचित शब्दावली प्रदान करने हेतु विभिन्न माध्यमों को प्रयोग करना |
- वाचन एवं लेखन कौशल की चुनौतियों के लिए छात्रों को मानसिक रूप से तैयार करना |
- हिंदी भाषा की व्यावहारिकता पर बल देना |
- हिंदी भाषा की विशेषता और वैज्ञानिकता से परिचय करवाना |
- भाषा कौशल हेतु विभिन्न विधाओं का प्रयोग करना |
- शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए प्रस्तुतीकरण आकर्षक तथा प्रभावशाली होना आवश्यक है |

- बच्चों के अनुभवों को बाँटकरसुनकर फिर नए कार्य पर बल देना ,|
- बच्चों की सोच को बहुप्रोत्साहित करें । आयामी बनाएँ तथा लीक से हटकर चलने को-
- बच्चों की सोच को सकारात्मक बनाएँ।

तृतीय दिवस -15.5.19

<u>प्रथम सत्र - श्रीमती भारती आनंद</u>

विषय - हिंदी भाषा में रोचकता लाने के लिए गतिविधियाँ

- बच्चों से सधे अंदाज़ में बातचीत करें |
- बच्चों का पाठ्यपुस्तक से इतर ज्ञानवर्धन कीजिए |
- बच्चों के बौधिक एवं मानसिक क्षितिज का विकास |
- बच्चों को लीक से हटकर सोचने के लिए प्रयास करना |
- लोकगीतों का संकलन करवाइए |
- खेलों द्वारा शिक्षण को रुचिकर बनाएँ|
- बच्चों के पाठन कौशल को विकसित करने हेतु उनके भाषा प्रवाह एवं हाव -भाव निखारने का प्रयास कीजिए |
- प्रतिदिन नए शब्दों का ज्ञान करवाएँ|

<u>द्वितीय सत्र -विशेषज्ञ - श्रीमती उमेश कुमारी (हिंदी अध्यापिका)</u>

विषय - एन. सी. एफ़. -2005 पाठ्यचर्या और भाषा शिक्षण

- ज्ञान को स्कूल के बहर के विषय से जोड़ना |
- पढाई रटंत प्रणाली से मुक्त हो यह सुनिश्चित करना |
- पाठ्यचर्या का संवर्धन इस प्रकार करें कि बच्चों का चहुमुखी विकास हो पाए |
- परीक्षा को अपेक्षाकृत अधिक लचीला बनाना और कक्षा की गतिविधियों से जोड़ना |

- एक ऐसी अधिभावी पहचान का विकास जिसमें प्रजातांत्रिक राज्य व्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रीय चिंताएँ समाहित हों |
- हिंदी भाषा से जुडी ऐप्स की जानकारी |
- चित्रों द्वारा बच्चों की रचनात्मकता को निखारें |
- कुछ महत्त्वपूर्ण कहानी की पुस्तकों की जानकारी |

<u>तृतीय सत्र -विशेषज्ञ - श्रीमती अंजलि गुप्ता</u>

विषय - वाचन एवं लेखन कौशल का विकास और उसकी चुनौतियाँ

- चित्र अवलोकन द्वारा शिक्षण
- भाषा का सृजनात्मक प्रयोग
- सृजन हेतु पठन की आवश्यकता |
- स्वानुभूति करना अनिवार्य है|
- प्रतिभा उभरने के लिए अभ्यास जरुरी है |
- सरल भाषा का प्रयोग करें जिससे वातावरण बोझिल न बने |
- बुद्धि व ह्रदय की भावनाओं का समन्वय आवश्यक |
- बच्चों के प्रश्नों के उत्तर सरलता व स्वाभाविकता से दें|
- बच्चों की मासूमियत को न मारें|
- मौखिक अभिव्यक्ति की युक्तियाँ और उनका व्यावहारिक प्रयोग |

चतुर्थ दिवस -16.5.19

<u>प्रथम एवं द्वितीय सत्र - श्रीमती गीता बुद्धिराजा</u>

<u>विषय - व्याकरण - भाषा का आधार</u>

- हिंदी भाषा के महत्त्व पर चर्चा |
- सामान्य निर्देशों द्वारा पाठन |
- बच्चों की समस्याओं पर चर्चा करें |
- वर्णों का लिखित एवं मौखिक अब्य्यास करें |
- मौखिक अभ्यास द्वारा उच्चारण में अंतर करवाएँ|
- बच्चों को समाचार-पत्र पढने के लिए प्रेरित करें |
- कक्षा के आरम्भ में ध्यान का अभ्यास अनिवार्य |
- बच्चों को वर्ण-विच्छेद का अभ्यास अवश्य करवाएँ |
- व्याकरणिक बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा |

<u>तृतीय सत्र -विशेषज्ञ - श्रीमती अंजलि गुप्ता</u>

विषय - वर्तनी अशुद्धियाँ और निवारण

- **बच्चों को पुनः –पुनः शुद्ध लेखन का अभ्यास करवाएँ**|
- **स्वाध्याय , चिन्तन एवं मनन पर बल** |
- प्राथमिक स्तर पर छात्रों को उनके स्तरानुकूल सीखाना चाहिए|
- हिंदी भाषा के शुद्ध उच्चारण एवं मानक भाषा पर बल |
- भाषा के उस रूप का प्रयोग करें जिसे छात्र भविष्य में प्रयोग करें|

- बच्चों के प्रश्नों के गलत उत्तर न दें|
- शब्द के वास्तविक अर्थ जानने हेतु वाक्य प्रयोग पर बल दें|
- पठन – पाठन में खेलों का महत्त्व |
- खेल-खेल में पढ़ाना|
- रचनात्मक गतिविधियों का समावेश|
- भाषा के महत्त्व पर चर्चा

1. Learning outcomes (Knowledge and Information) from the workshop/Seminar?

- हिंदी भाषा के माध्यम से चरित्र एवं जीवन मूल्यों का निर्माण किया जा सकता है |
- अक्षरों की बनावट के चार नियमों को ध्यान में रखते हुए अक्षर लिखवाने का अभ्यास करवाएँ |
- सृजनशीलता का अर्थ विस्तारपूर्वक समझाया गया|
- छात्रों के अनुभवों को बाँटकर, सुनकर फिर नए कार्य पर बल देना|
- बच्चों की सोच को बहु-आयामी बनाएँ तथा लीक से हटकर चलने को प्रोत्साहित करें|
- शिक्षा के उद्देशय को बदलना| शिक्षा को केवल कमाई का जरिया न बनने दें |
- बच्चों की सोच को सकारात्मक बनाएँ |
- अभिनय के माध्यम से सृजनात्मकता को बढ़ावा दें |
- कविता वाचन करते समय सुर-ताल का ध्यान रखना|
- कविता वाचन व पठन-हेतु उचित वातावरण का निर्माण करना|
- समन्वय स्थापित करना |
- अलग-अलग ध्वनियों द्वारा कविता वाचन पर बल |
- विचारों में भावों की प्रधानता अवश्य होनी चाहिए |
- कविता में लय व संवेदना के जुडाव का महत्त्व|
- सृजन हेतु पठन की आवश्यकता |
- स्वानुभूति करना अनिवार्य है|
- प्रतिभा उभरने के लिए अभ्यास जरुरी है |
- सरल भाषा का प्रयोग करें जिससे वातावरण बोझिल न बने |
- बुद्धि व ह्रदय की भावनाओं का समन्वय आवश्यक |
- बच्चों के प्रश्नों के उत्तर सरलता व स्वाभाविकता से दें|
- बच्चों की मासूमियत को न मारें|
- रचनात्मकता का विकास |

2. Which topics or aspects of the workshop/Seminar did you find most interesting or useful and can be applied to the classroom teaching?

- बच्चों को अक्षर ज्ञान देने से पूर्व अक्षर लेखन के नियमों से अवगत करवाएँ |
- कविता वाचन करते हुए किन्हीं एक या दो पंक्तियों का पदबंध लेकर उनसे प्रश्न करें|
- कक्षा में मुद्रित सामग्री का प्रयोग किया जाना चाहिए ।
- बच्चों को अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करें|
- कल्पनाशीलता को निखारने का मौका दें|
- पाठ योजना का निर्माण ज़रूरी परन्तु लचीलापन रखें|

- पठन और शोध पर ध्यान दें, अध्ययनशील बनने दें|
- नवीन युक्तियों का समावेश करें |
- उचित परिवेश बनाने का अवसर प्रदान करें|
- पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों पर कार्य कराएँ |
- विषयों का एकीकरण करें|
- विभिन्न विधाओं का प्रयोग करें|
- बच्चों की जिज्ञासा की पुष्टि करें|
- खेलों के माध्यम से पढ़ाएँ|
- चुनौतियों का सामना करने के उचित अवसर प्रदान करें|
- समसामयिक संदर्भों का उल्लेख |
- बच्चों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि जागृत करने हेतु पुस्तकालय मे हिंदी पत्रिकाओं को वितरित करें ।
- बच्चों के मानसिक स्तर को जानने का प्रयास करें |

3. How will you implement the knowledge & techniques acquired to your subject?

- हिंदी साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करने हेतु बच्चों को खेलों के मध्यम से शिक्षित किया जाए |
- भाषा के क्लिष्ट रूप को न अपनाकर कहानियाँ सुनकर उनका ध्यान विषय की ओर आकर्षित किया जाए |
- पी.पी. टी. के माध्यम से विषय को रुचिकर बनाकर |
- कक्षा में मुद्रित सामग्री का प्रयोग करके |
- स्वरचित कविता का निर्माण करके |
- भाषा के माध्यम से जीवन मूल्यों का समावेश |
- सृजनात्मकता का विकास |
- कहानी , नाटक , चरित्र चित्रण आदि द्वारा पाठन |
- प्रश्नपत्र के निर्माण में छात्रों की योग्यता का ध्यान रखना तथा मूल्यांकन करते समय उनकी शिक्षक से भिन्न विचारधारा को भी मान्यता देना।
- अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना ।
- सरलतम बोलचाल के रूप को अपनाना | .

4. Comments and suggestions (How do you think the workshop/Seminar could have been made more effective?)

- रंगमंचीय कार्यशाला में मंच का भीं समावेश होना चाहिए ।

5. Was the advance briefing about the workshop/Seminar appropriate?

जी हाँ, अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से सफल एवं सक्षम हस्तपत्रकों का प्रयोग अत्यंत सराहनीय रहा ।

GENERAL FEEDBACK	YES
• The workshop/Seminar was applicable to my job	•
• I will recommend this workshop/Seminar for other faculty members.	•
• The program was well paced within the allotted time	•
• The material was presented in an organized manner	•
• The resource person was a good communicator	•
• The resource person was knowledgeable on the topic	•
• I would be interested in attending a follow-up, more advanced workshop / Seminar on this same subject	•
• I will be able to conduct follow up workshop for the benefit of fellow Staff	•

GLIMPSES FROM THE WORKSHOP (Photographs with captions)

व्याकरण - भाषा का आधार
वक्ता - श्रीमती गीता बुद्धिराजा

सबका साथ , हिंदी का विकास
वक्ता - श्री ईशान महेश

शिक्षण और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या का समन्वयन
वक्ता - श्रीमती उमेश कुमारी

बाल भारती परिवार के आधार स्तंभ

हमारे मार्गदर्शक

शिक्षण में रंगमंच का समावेश

Report submitted by

Signature-
Name –मनीषा सेठी, इलाश्री जायसवाल
Designation- प्राथमिक अध्यापिका (हिंदी)
Submission Date – 17 .5 .19